

प्रेषक,

नितेश कुमार झा,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उच्च शिक्षा,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-7 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 07 सितम्बर 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-2011 में राजकीय महाविद्यालय नागनाथ पोखरी, के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

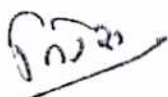
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या डिग्री विकास/4552/2010-11 दिनांक 22-6-2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय महाविद्यालय नागनाथ पोखरी (चमोली) के अनावासीय भवन निर्माण हेतु उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम के अनुमोदित आगणन रु0 462.92 लाख के विरुद्ध रु0 10.00 लाख (रु0 दस लाख मात्र) को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 में व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2 उक्त कार्य के सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था को धनराशि हस्तान्तरित किये जाने से पूर्व भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जायेगी तथा कार्यदायी संस्था से वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 474/xxvii (3)/2008 दिनांक 5-12-2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर एम.ओ.यू. अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

3. स्वीकृत धनराशि को निर्धारित कार्य के अतिरिक्त किसी अन्य कार्य में व्यय नहीं किया जायेगा तथा अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में कोई व्यय नहीं किया जायेगा एवं समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मित्तव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण निदेशक, उच्च शिक्षा द्वारा करने के उपरान्त सम्बन्धित निर्माण इकाई को अवमुक्त किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जाय कि धनराशि का अनावश्यक रूप से बैंकों में पार्किंग के रूप में न रखी जाय।

4. स्वीकृत धनराशि के उपयोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा निर्माण कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को अवगत कराया जायेगा। निर्माण कार्य के लिये अवमुक्त की गई धनराशि का उपभोग शीघ्रता से करने तथा कार्य शीघ्रता से इसी वित्तीय वर्ष में पूरा करने के लिये प्राचार्य द्वारा समुचित पर्यवेक्षण किया जायेगा तथा निर्माण इकाई द्वारा विलम्ब करने की दशा में शासन द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जावेगी तथा आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।



5- निदेशक उच्च शिक्षा कायदाई संस्था का धनराशि अवमुक्त करन स पूव कायदाई संस्था स एक सप्ताह में अवमुक्त की जाने वाली धनराशि के विरुद्ध एकेडिमिक रिक्वायरमेंट के अनुरूप समय सारणी अनुसार कार्य पूर्ण करने की लिखित सहमति प्राप्त कर लेंगे। यदि लिखित समयावधि के अर्न्तगत कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तो, एक माह का ग्रेस पीरियड देते हुये कार्यदाई संस्था से 5 प्रतिशत आर्थिक जुर्माना वसूला जायेगा। तीन माह से अधिक विलम्ब होने पर कार्यदाई संस्था को काली सूची में सम्मिलित करने हेतु कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

6- उक्त निर्माण कार्य में आर.सी.सी. फ्रेम स्ट्रक्चर, जो भू वैज्ञानिक द्वारा दिये गये सुझावों के अनुसार प्राविधानित किया गया है, के सम्बन्ध में प्राचार्य द्वारा सुसंगत अभिलेखों में तकनीकी पुष्टि किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। किये गये निर्माण कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण सम्बन्धित महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सुनिश्चित कर लिया जाय। उक्त रिपोर्ट से शासन को अवगत कराया जाय।

7- तृतीय पक्ष गुणवत्ता (Third party quality) सुपरविजन तथा अनुश्रवण की व्यवस्था सी0बी0आर0आई0 रुडकी से सुनिश्चित कर ली जाय, परन्तु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें पूर्ण की जानी होंगी। इसका व्यय कार्यदायी संस्था को देय चार्ज (Centage) से किया जायेगा। तृतीय पक्ष गुणवत्ता की विस्तृत सूचना उपलब्ध होने पर अंतिम अवशेष किस्त का भुगतान किया जायेगा।

8- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय की अनुदान सं0 11 के आयोजनागत पक्ष के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा खेल कूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय -01- सामान्य शिक्षा-203-विश्वविद्यालय तथा उच्च शिक्षा- आयोजनागत-03 -कतिपय राजकीय महाविद्यालयों के निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण किया जाना -24-बृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 256(p)/xxxvii(3)/2008 दिनांक 20-9-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहें हैं।

भवदीय,

(नितेश कुमार झा)

अपर सचिव

सं0 1706 (1)/ xxiv (7) 2(2)/2009 तददिनांक

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।

2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।

3- जिलाधिकारी चमोली।

4-कोषाधिकारी हल्द्वानी-नैनीताल।

5-परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड संसाधन विकास एवं निर्माण निगम गोपेश्वर।

6-प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय नागनाथ पोखरी।

7-निदेशक एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड।

8-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय देहरादून।

9-वित्त अनु0-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।

10-विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,



(वेदीराम)

अनु सचिव